

- ( ) /

.( )

«

.( )

( )

»

---

( )

» :

.«

:

:

« »

: -

-

-

-

( )

-

:

-

( )

»

«

»

«

«

»

«

»

«

»

«

»

)

(

( )

-  
-  
-  
-  
-  
-

:( )

:

( ) ( )

( ):

( )

( )

:

»

«

( )

:

:

.

-

-

.

-

.

-

.

-

-

.

-

-

.

-

:

-

:

.

( )

:

.

.

.

.

.

.

.

.

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

:

-

:

《

》:

.( )

( )

:

:

-

.( )

:

-

:



(

:  
( )

:  
( ):

.(

).  
(

:()

: -

:

)

( )

( )

:

:

:

:

:

:



« »

:( )

«

»

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

## مسائل فقهی در آثار استاد مطهری

### علی مطهری<sup>۱</sup>

در این مقاله ابتدا اشاره‌ای به مقام فقهی شهید آیت‌الله مطهری و مغفول بودن آن شده است. سپس اجتهاد از نظر آن شهید بیان گردیده است. آنگاه روش فقهی آن شهید مورد تحقیق واقع شده و میزان اثرپذیری ایشان از روش فقهی مرحوم آیت‌الله بروجردی و روش فقهی امام خمینی(ره) بررسی شده است. دربخش بعدی مقاله نقش زمان در تحول مسائل فقهی و پیدایش مسائل جدید تحقیق شده است. سپس برخی مسائل مستحدثه از دیدگاه استاد، معرفی و تحلیل شده‌است. پس از آن فلسفه خاتمیت از نظر آن متفکر شهید به اختصار توضیح داده شده‌است. آنگاه نظریات فقهی در آثار استاد استقصا و بیان شده و در این میان نظریات جدید منحصر به فرد معرفی گردیده است.

واژگان کلیدی: اجتهاد، اخباری‌گری، روش فقهی، عقل، اهل سنت، قیاس